Sociology
Explore – Journal of Research for UG and PG Students
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

महिलाओं में शैक्षणिक सशक्तिकरण : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

नेहा भारती • खुशबू कुमारी • जाकिया परवीण • रीता कुमारी

Received : December 2010
Accepted : February 2011
Corresponding Author : Rita Kumari

Abstract : *प्रस्तुत शोध का उद्देश्य ''महिलाओं में शैक्षणिक सशक्तिकरण'' का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन करना है। उपर्युक्त समस्या के प्रस्तुतीकरण के लिए परिकल्पनाएँ उभर कर सामने आयी है कि सैद्धान्तिक रूप से शैक्षणिक सशक्तिकरण द्वारा महिलाओं की स्थिति एवं लिंग आधारित श्रम - विभाजन के परिवर्तित स्वरूप को समाज ने समसामयिक रूप से बहुत हद तक स्वीकार किया है विशेषकर परिवार में स्त्री-पुरुष संबंधों में विमुखता व तनाव का दृष्टिकोण बदला है। प्रस्तुत शोध विषय प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों द्वारा सिपारा क्षेत्र की महिलाओं का शैक्षणिक सशक्तिकरण द्वारा होने वाले प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए 100 महिलाओं का सर्वेक्षण कार्य किया गया। महिलाओं की स्थिति व पहचान, साक्षरता दर, शैक्षणिक पुनर्गठन, एवं सशक्त प्रभावी प्रबंधन, जातिगत स्थिति, महिला शिक्षा के प्रति पुरूषों की सहभागिता, स्वास्थ्य के स्तर पर महिलाओं की जागरूकता, लैंगिक श्रम-विभाजन में समानता के स्तर का अध्ययन किया गया। स्पष्टत: परिणामों के आधार पर महिलाओं के शैक्षणिक सकारात्मक मनोवृति द्वारा सफल निर्णय लेने की क्षमता, सशक्तिकरण का एक बड़ा मानक है । जिससे परिवार और समाज में समान अवसरों की प्राप्ति में वृद्धि हो रही है एवं पुरूषों की मनोवृति एवं उसके नकारात्मक सोच में बदलाव भी पाए गए है। उपरोक्त निष्कर्ष व सुझाव से स्पष्ट है कि शैक्षणिक सशक्तिकरण की भूमिका स्त्री-पुरुषों के जीवन का एक अविराम चुनौती है। आज आवश्यकता है, महिलाओं मे अध्ययन एवं ग्रहणशीलता के सवाल पर शैक्षणिक गतिशीलता में गुणात्मक वृद्धि करने की, साथ ही महिलाओं की स्थिति एवं विशेषाधिकार को सशक्त बनाने एवं आत्मनिर्भरता के लिए शिक्षा सिद्धान्त को स्वीकार करने की है।*

शब्द कुंजी *:- सशक्तिकरण, समसामयिक, पुनर्गठन, प्रभावी प्रबंधन लैंगिक-श्रमविभाजन, ग्रहणशीलता, गुणात्मकता विशेषाधिकार।*